

फेदाप क्षेत्रका प्रचलित लोककथाहरूको सङ्कलन,  
वर्गीकरण र विश्लेषण

त्रिभुवनविश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय अन्तर्गत  
नेपाली केन्द्रीय विभागको एम.ए.दोस्रो वर्षको दशौंपत्रको  
प्रयोजनका लागि प्रस्तुत  
शोधकार्य

शोधार्थी  
डेनु प्रसादगौतम  
नेपाली केन्द्रीय विभाग  
त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
कीर्तिपुर  
२०७२

त्रिभुवनविश्वविद्यालय  
नेपाली केन्द्रीयविभाग  
कीर्तिपुर, काठमाडौं

सिफारिस - पत्र

नेपालीएम.ए. दोस्रो वर्ष (शै.स. २०६५/०६६)काछ्छात्रश्री डेनु प्रसादगौतमले फेदाप क्षेत्रका प्रचलित लोककथाहरूको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषण शीर्षकको यो शोधकार्य मेरो निर्देशनमातयार गर्नु भएको हो । म यो शोधकार्यको मूल्याङ्कनकानिम्तिसिफारिस गर्दछु ।

मिति : २०७२ / ४ / ११

.....  
शि.स. राधिकादेवी गुरागाईं  
शोधनिर्देशक  
नेपाली केन्द्रीयविभाग  
त्रि. वि., कीर्तिपुर

त्रिभुवनविश्वविद्यालय  
नेपाली केन्द्रीयविभाग  
कीर्तिपुर, काठमाडौं

स्वीकृति - पत्र

त्रिभुवनविश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत विश्वविद्यालयक्याम्पस कीर्तिपुर नेपाली केन्द्रीयविभागका छात्र डेनु प्रसादगौतमद्वारा तयार पारिएको प्रस्तुतफेदाप क्षेत्रका प्रचलित लोककथाहरूको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषणशीर्षकको यो शोधकार्य स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दशौं पत्रको प्रयोजनकालागि उपयुक्त भएकाले स्वीकृत गरिएको छ ।

मूल्याङ्कन समिति

.....  
प्रा.डा. देवी प्रसादगौतम  
विभागीयप्रमुख

.....  
राधिकादेवी गुरागाईं  
शोधनिर्देशक

.....  
प्रा. केशव सुवेदी  
बाह्य परीक्षक

मिति : २०७२ /०४/१४

## कृतज्ञताज्ञापन

प्रस्तुतफेदाप क्षेत्रकाप्रचलितलोककथाहरूको सङ्कलन, वर्गीकरण र विश्लेषणशीर्षकको शोधपत्र मैले श्रद्धेय गुरुआमाशि.स.राधिकादेवी गुरागाईको कुशलनिर्देशनमातयार पारेको हुँ । अत्यन्तव्यस्त रहँदा रहँदै पनिआफ्नो अमूल्य समय खर्च गरी यस शोध कार्यकालागिआवश्यक सहयोग र सल्लाहप्रदानगर्नुहुने श्रद्धेय गुरुआमाप्रतिप्रथमतः म हार्दिक आभार एवम् कृतज्ञताज्ञापनगर्दछु ।

यस्तै मेरो शोधप्रस्ताव स्वीकृत गरी शोधकार्यकालागिअनुमतिप्रदानगर्नुहुने नेपाली केन्द्रीयविभागकाविभागीयप्रमुखप्रा. डा. देवी प्रसादगौतम लगायतअन्य गुरुज्यूहरूप्रतिआभार प्रकटगर्दछु ।

प्रस्तुतशोधकार्य सम्पन्नगर्नकालागिमलाई बिहान, दिउँसो र बेलुकानभनीआफ्नाआफ्ना घरायसीकामहरूलाई स्थगन गरी लोककथाहरू सुनाएर सहयोग गर्नुहुने सम्पूर्ण तेहथुम फेदापवासीकथावाचकहरूलाई आभार प्रकटगर्न चाहन्छु । यो शोधपत्रमाआवश्यक पर्ने विभिन्नकिसिमकातथ्याङ्कहरूउपलब्ध गराउन सहयोग पुऱ्याउनु हुने जि.शि.का.,जि.वि.स.,गा.वि.स.,संघ संस्थाकाकर्मचारीहरूर स्रोत केन्द्रका स्रोत व्यक्तिज्यूहरूमा साथै आवश्यकजानकारीमामदत पुऱ्याउनुहुने जिल्ला बचत तथाऋण सहकारी संघ तेहथुमकाअध्यक्षश्री तीर्थ बहादुर कटुवालप्रति कृतज्ञताप्रकटगर्न चाहन्छु । लोककथा सङ्कलनको क्रममा फेदाप क्षेत्रकाविभिन्नगा.वि.स.काविकटठाउँहरूमाभरी बादलको प्रवाहनगरी कथावाचकलाई लोककथावाचनकलामा साथदिएर प्रेरणाप्रदानगर्नुहुने मेरा प्रियमित्र योगराजदाहालप्रतिहार्दिक श्रद्धा राख्नचाहन्छु । त्यस्तै गरी प्रस्तुतशोधपत्रकम्प्युटर लेखनकार्यमा हरबखत सहयोग पुऱ्याउने छोरा विवेकप्रतिपनि हृदयदेखिनै ममताप्रकटगर्दछु ।

अन्त्यमायस शोधपत्रको समुचितमूल्याङ्कनकालागित्रि.वि. नेपाली केन्द्रीयविभागकीर्तिपुर समक्ष पेसगर्दछु ।

शै. स. २०६५/०६६

क्रमाङ्क : २६१

मिति : २०७२/०४/ ११डेनु प्रसादगौतम

## विषय सूची

|  | पृष्ठ       |
|--|-------------|
| सिफारिस - पत्र   | क           |
| स्वीकृति - पत्र  | ख           |
| कृतज्ञताज्ञापन   | ग           |
| विषय सूची  | घ           |
| तालिका सूची  | ञ           |
| सङ्क्षेपीकृत शब्द  | ट           |
| <b>परिच्छेद एक : शोधपरिचय</b>  | <b>१-४</b>  |
| १.१ विषयको परिचय   | १           |
| १.२ समस्याकथन  | २           |
| १.३ शोधपत्रको उद्देश्य   | २           |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा   | २           |
| १.५ शोधकार्यको औचित्य  | ३           |
| १.६ शोधकार्यको सीमाङ्कन  | ४           |
| १.७ सामग्री सङ्कलन र शोधविधि   | ४           |
| १.८ शोधपत्रको रूपरेखा  | ४           |
| <b>परिच्छेददुई : फेदाप क्षेत्रको भौगोलिक, सामाजिकतथा साहित्यिक परिचय</b> | <b>५-३२</b> |
| २.१ फेदापको सङ्क्षिप्त परिचय   | ५           |
| २.१.१ नामकरण   | ५           |
| २.१.२ भौगोलिकस्थिति  | ६           |
| २.१.३ चाडपर्व  | ७           |
| २.१.४ पेसा   | ७           |
| २.१.५ भाषागतस्थिति   | ८           |

|   |                                 |              |
|---|---------------------------------|--------------|
| २.१.६   | शैक्षिकस्थिति                   | ९            |
| २.१.७   | जनसंख्यास्थिति                  | ११           |
| २.२   | फेदाप क्षेत्रको साहित्यिक परिचय | १२           |
| २.२.१   | फेदाप क्षेत्रकाकविहरू           | १३           |
| २.२.२   | फेदाप क्षेत्रकाकथाकारहरू        | १७           |
| २.२.३   | फेदाप क्षेत्रकानाटककारहरू       | १९           |
| २.२.४   | फेदाप क्षेत्रकानिबन्धकार        | २३           |
| २.२.५   | फेदाप क्षेत्रका समालोचकहरू      | २५           |
| २.३   | निष्कर्ष                        | ३२           |
| <b>परिच्छेदतीन:लोककथाको सैद्धान्तिक परिचय</b> |                                 | <b>३३-५४</b> |
| ३.१   | लोकसाहित्यको परिचय र परिभाषा    | ३३           |
| ३.१.१   | लोकसाहित्यको विशेषता            | ३५           |
| ३.१.१.१                                       | अलिखित साहित्य                  | ३५           |
| ३.१.१.२                                       | सामूहिकता                       | ३५           |
| ३.१.१.३                                       | लोकज्ञानको प्रबलता              | ३५           |
| ३.१.१.४                                       | संरचनागत सरलता                  | ३६           |
| ३.१.१.५                                       | सामाजिकयथार्थता                 | ३६           |
| ३.१.१.६                                       | मनोरञ्जनात्मकता                 | ३७           |
| ३.१.१.७                                       | गतिशीलता र लोकप्रियता           | ३७           |
| ३.१.१.८                                       | काल्पनिकता                      | ३७           |
| ३.१.२   | लोकसाहित्यको वर्गीकरण           | ३८           |
| ३.१.२.१                                       | लोकगीत                          | ३९           |
| ३.१.२.२                                       | लोककविता                        | ४०           |
| ३.१.२.३                                       | लोकगाथा                         | ४०           |
| ३.१.२.४                                       | लोकनाटक                         | ४१           |
| ३.१.२.५                                       | लोककथा                          | ४१           |
| ३.१.२.६                                       | उखान                            | ४२           |
| ३.१.२.७                                       | टुक्का                          | ४२           |

|   |              |
|---|--------------|
| ३.१.२.८ गाउँखाने कथा  | ४३           |
| ३.२. लोककथाको परिचय र परिभाषा                               | ४३           |
| ३.२.१ लोककथाको वर्गीकरण                                     | ४५           |
| ३.२.१.१ पौराणिकलोककथा                                       | ४७           |
| ३.२.१.२ सामाजिकलोककथा                                       | ४७           |
| ३.२.१.३ किम्बदन्तीमूलकलोककथा                                | ४७           |
| ३.२.१.४ अतिप्राकृतिकलोककथा                                  | ४७           |
| ३.२.१.५ पशुपन्थीकालोककथा                                    | ४८           |
| ३.२.२ लोककथाकातत्त्वहरू                                     | ४८           |
| ३.२.२.१ कथानक   | ४८           |
| ३.२.२ पात्र/चरित्र  | ४९           |
| ३.२.२.३ परिवेश  | ४९           |
| ३.२.२.४ उद्देश्य  | ५०           |
| ३.२.२.५ भाषाशैली  | ५०           |
| ३.२.३ लोककथाकाविशेषताहरू                                    | ५२           |
| ३.२.३.१ सामाजिकता   | ५२           |
| ३.२.३.२ काल्पनिकता  | ५३           |
| ३.२.३.३ उपदेशात्मकता  | ५३           |
| ३.२.३.४ मनोरञ्जनात्मकता                                     | ५३           |
| ३.२.३.५ वर्णनात्मक शैली                                     | ५४           |
| ३.२.३.६ सरल सहजगद्भाषाको प्रयोग                             | ५४           |
| ३.२.४ निष्कर्ष  | ५४           |
| <b>परिच्छेदचारःफेदाप क्षेत्रमाप्रचलितलोककथाहरूको सङ्कलन</b> | <b>५५-९०</b> |
| ४.१ जादुको मुडग्री  | ५५           |
| ४.२ दुईबोक्सी   | ५६           |
| ४.३ पोखरीका रानीहरू   | ५७           |
| ४.४ नामको भ्रम  | ५८           |
| ४.५ खरानीको डोरी  | ५८           |

|  |    |
|--|----|
| ४.६ मूर्खज्वाई                           | ६० |
| ४.७ भावीले लेखेको मेट्टिदैन              | ६२ |
| ४.८ आयु दिएकी स्वास्नीको चाला            | ६४ |
| ४.९ साथीहरु पनिबोलन                      | ६६ |
| ४.१० सबै चोरै चोर                        | ६७ |
| ४.११ अल्छीछोरा र बूढो बाबु               | ६८ |
| ४.१२ मृत राजकुमारबाटछोरो पाउने राजकुमारी | ६९ |
| ४.१३किन रोए तिनै जना                     | ७१ |
| ४.१४कान्छो छोरोलाई राजगद्दी              | ७२ |
| ४.१५मितको मासु मितैलाई                   | ७४ |
| ४.१६ दैनिकछोरो खोज्ने राजा               | ७५ |
| ४.१७लट्टे र धवाँसे                       | ७६ |
| ४.१८चलाखभँगेरो                           | ७८ |
| ४.१९खन्चुवाको चमत्कार                    | ७९ |
| ४.२०तीनै छोरा मन्त्री                    | ८३ |
| ४.२१छोराको मासु                          | ८४ |
| ४.२२तोडियो राजकुमारीको वाचा              | ८४ |
| ४.२ अभागीभक्तिलाल                        | ८७ |
| ४.२ लोकप्रियमुखिया                       | ८८ |

### परिच्छेदपाँच:फेदाप क्षेत्रमाप्रचलितलोककथाहरूको वर्गीकरण र

#### विश्लेषण

९१-१२९

|                       |    |
|-----------------------|----|
| ५.१ परिचय             | ९१ |
| ५.२ कथानक             | ९१ |
| ५.२.१ जादुको मुडगो    | ९२ |
| ५.२.२ दुईबोक्सी       | ९२ |
| ५.२.३ पोखरीका रानीहरू | ९३ |
| ५.२.४ नामको भ्रम      | ९३ |
| ५.२.५ खरानीको डोरी    | ९४ |

|  |     |
|--|-----|
| ५.२.६ मूर्खज्वाईं                          | ९५  |
| ५.२.७ भावीले लेखेको मेटिदैन                | ९५  |
| ५.२.८ आयु दिएकी स्वास्नीको चाला            | ९६  |
| ५.२.९ साथीहरु पनिबोलन                      | ९७  |
| ५.२.१० सबै चोरै चोर                        | ९८  |
| ५.२.११ अल्छीछोरा र बूढो बाबु               | ९८  |
| ५.२.१२ मृत राजकुमारबाटछोरो पाउने राजकुमारी | ९९  |
| ५.२.१३ किन रोए तिनै जना                    | १०० |
| ५.२.१४ कान्छो छोरोलाई राजगद्दी             | १०० |
| ५.२.१५ मितको मासु मितैलाई                  | १०१ |
| ५.२.१६ दैनिकछोरो खोज्ने राजा               | १०२ |
| ५.२.१७ लट्टे र ध्वाँसे                     | १०२ |
| ५.२.१८ चलाखभँगोरो                          | १०३ |
| ५.२.१९ खन्चुवाको चमत्कार                   | १०३ |
| ५.२.२० तीनै छोरा मन्त्री                   | १०४ |
| ५.२.२१ छोराको मासु                         | १०४ |
| ५.२.२२ तोडियो राजकुमारीको वाचा             | १०५ |
| ५.२.२३ अभागीभक्तिलाल                       | १०५ |
| ५.२.२४ लोकप्रियमुखिया                      | १०६ |
| ५.३ पात्रवाचरित्र                          | १०६ |
| ५.३.१ दैवीपात्र                            | १०७ |
| ५.३.२ अर्धदैवीपात्र                        | १०८ |
| ५.३.३ पशुपन्छीपात्र                        | १०९ |
| ५.३.४ निर्जीव पात्र                        | ११० |
| ५.३.५ अद्भूतपात्र                          | १११ |
| ५.३.६ मानवीयपात्र                          | १११ |
| ५.४ परिवेश                                 | ११३ |
| ५.४.१ लौकिक परिवेश                         | ११४ |

|                                       |                   |                |
|---------------------------------------|-------------------|----------------|
| ५.४.१.१                               | ग्रामीण परिवेश    | ११४            |
| ५.४.१.२                               | दरवारिया परिवेश   | ११५            |
| ५.४.१.३                               | सांस्कृतिक परिवेश | ११६            |
| ५.४.२                                 | अलौकिक परिवेश     | ११७            |
| ५.५                                   | उद्देश्य          | ११८            |
| ५.५.१                                 | मनोरञ्जनात्मक     | ११९            |
| ५.५.२                                 | उपदेशात्मक        | १२५            |
| ५.६                                   | भाषा              | १२८            |
| ५.७                                   | शैली              | १२९            |
| ५.८                                   | निष्कर्ष          | १२९            |
| <b>परिच्छेद ६ : सारांश र निष्कर्ष</b> |                   | <b>१३०-१३३</b> |
| ६.१                                   | सारांश            | १३०            |
| ६.२                                   | निष्कर्ष          | १३२            |

## तालिका सूची

|   | पृष्ठ |
|---|-------|
| तालिका नं. १ फेदापको क्षेत्रफलविवरण                       | ६     |
| तालिका नं. २ फेदापमाबोलिने भाषाकोविवरण                    | ९     |
| तालिका नं. ३ फेदाप क्षेत्रकाविद्यालयहरूको विवरण           | १०    |
| तालिका नं. ४ फेदाप क्षेत्रकामहिला पुरुषको जनसङ्ख्या विवरण | ११    |
| तालिका नं. ५ फेदाप क्षेत्रको जातिगतजनसङ्ख्या विवरण        | १२    |
| तालिका नं. ६माध्यमकाआधारमालोकसाहित्यको वर्गीकरण           | ३९    |
| तालिका नं. ७लोककथाको वर्गीकरण                             | ४६    |
| तालिका नं. ८लोककथाको स्वरूप                               | ५१    |
| तालिका नं. ९लोककथा सङ्कलनका स्रोतहरू                      | ९०    |

## सङ्क्षेपीकृत सूची

|                |   |                               |
|----------------|---|-------------------------------|
| अनु.           | – | अनुवादक                       |
| गा.वि.स        | – | गाउँविकास समिति               |
| जि.वि.स.       | – | जिल्लाविकास समिति             |
| जि.शि.का.      | – | जिल्लाशिक्षाकार्यलय           |
| डा.            | – | डाक्टर                        |
| दो.सं.         | – | दोस्रो संस्करण                |
| ने.रा.प्र.प्र. | – | नेपाल राजकीयप्रज्ञाप्रतिष्ठान |
| पा.वि.के.      | – | पाठ्यक्रमविकास केन्द्र        |
| प्र.सं.        | – | प्रथम संस्करण                 |
| प्रा.          | – | प्राध्यापक                    |
| पृ.            | – | पृष्ठ                         |
| वि.सं.         | – | विक्रम सम्वत्                 |
| मा.वि.         | – | माध्यमिकविद्यालय              |
| रा.ज.          | – | राष्ट्रियजनगणना               |
| शै.स.          | – | शैक्षिक सत्र                  |
| सह.            | – | सहायक                         |
| त्रि.वि.       | – | त्रिभुवनविश्वविद्यालय         |